GANDHI JAYANTI CELEBRATION AT MJKPS ON 2/10/2020

MJKPS conducted a host of activities on Gandhi Jayanti to commemorate the 151st birth anniversary of the Father of the Nation, Mahatma Gandhi. An online morning assembly on Gandhian philosophy, outlining a culture of peace, tolerance and non-violence was held. Students spoke about the Fundamental Rights and Duties enlisted in our Constitution and how it will lead us towards creating a better nation.

Students showed exemplary participation in essay writing, poetry recitation, elocution and the hand-writing improvement campaign. Students also prepared videos showing compassion towards animals by providing water bowls and food to them. They also practiced Yoga and meditation in their online classes. To spread the message of using resources judiciously, videos on water conservation were made.

Last but not the least, Mata Jaikaurians prepared and uploaded a video on You Tube highlighting Gandhiji's contribution to India's freedom struggle, upliftment of the masses, dignity of labour, promotion of the core ideals of Satyagraha, Swaraj, Swadeshi and sanitation. In the end, All Faith prayer was held whereby Gandhiji's favourite bhajan 'Vaishnao Jan To Tene Kahiye' was sung emphasing on the secular values of our nation.

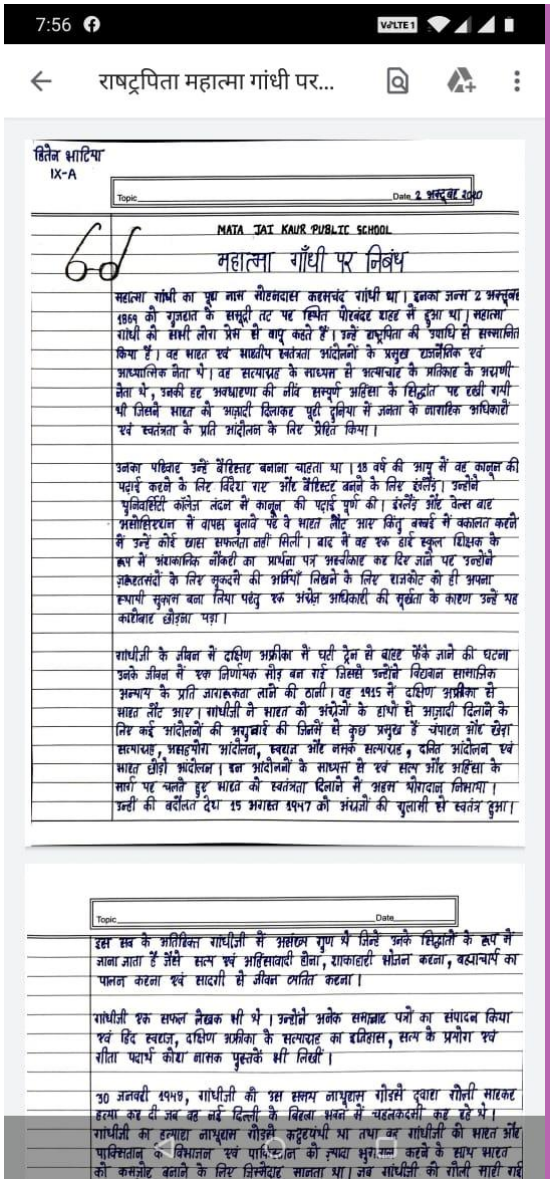

राषट्रपिता महात्मा गांधी पर...

हितैन भाटिया
IX-A

Topic ______ Date 2 अक्टूबर 2020

MATA JAI KAUR PUBLIC SCHOOL

महात्मा गाँधी पर निबंध

महात्मा गांधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। इनका जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के समुद्री तट पर स्थित पोरबंदर शहर में हुआ था। महात्मा गांधी को सभी लोग प्रेम से बापू कहते हैं। उन्हें राष्ट्रपिता की उपाधि से सम्मानित किया हैं। वह भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनों के प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वह सत्याग्रह के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी हर अवधारणा की नींव सम्पूर्ण अहिंसा के सिद्धांत पर रखी गयी थी जिसने भारत को आज़ादी दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता के प्रति आंदोलन के लिए प्रेरित किया।

उनका परिवार उन्हें बैरिस्टर बनाना चाहता था। 18 वर्ष की आयु में वह कानून की पढ़ाई करने के लिए विदेश गए और बैरिस्टर बनने के लिए इंग्लैंड। उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून की पढ़ाई पूर्ण की। इंग्लैंड और वेल्स बार असोसिएशन में वापस बुलावे पर वे भारत लौट आए किंतु बम्बई में वकालत करने में उन्हें कोई खास सफलता नहीं मिली। बाद में वह एक हाई स्कूल शिक्षक के रूप में अंशकालिक नौकरी का प्रार्थना पत्र अस्वीकार कर दिए जाने पर उन्होंने ज़रूरतमंदों के लिए मुकदमे की अर्जियाँ लिखने के लिए राजकोट को ही अपना स्थायी मुकाम बना लिया परंतु एक अंग्रेज़ अधिकारी की मूर्खता के कारण उन्हें यह कारोबार छोड़ना पड़ा।

गांधीजी के जीवन में दक्षिण अफ्रीका में घटी ट्रेन से बाहर फेंके जाने की घटना उनके जीवन में एक निर्णायक मोड़ बन गई जिससे उन्होंने विद्यमान सामाजिक अन्याय के प्रति जागरूकता लाने की ठानी। वह 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौट आए। गांधीजी ने भारत को अंग्रेजों के हाथों से आज़ादी दिलाने के लिए कई आंदोलनों की अगुवाई की जिनमें से कुछ प्रमुख हैं चंपारण और खेड़ा सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन, स्वराज और नमक सत्याग्रह, दलित आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन। इन आंदोलनों के माध्यम से एवं सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अहम योगदान निभाया। उन्हीं की बदौलत देश 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की गुलामी से स्वतंत्र हुआ।

Topic ______ Date ______

इस सब के अतिरिक्त गांधीजी में असंख्य गुण थे जिन्हें उनके सिद्धांतों के रूप में जाना जाता हैं जैसे सत्य एवं अहिंसावादी होना, शाकाहारी भोजन करना, ब्रह्मचर्य का पालन करना एवं सादगी से जीवन व्यतीत करना।

गांधीजी एक सफल लेखक भी थे। उन्होंने अनेक समाचार पत्रों का संपादन किया एवं हिंद स्वराज, दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास, सत्य के प्रयोग एवं गीता पदार्थ कोश नामक पुस्तकें भी लिखीं।

30 जनवरी 1948, गांधीजी की उस समय नाथूराम गोडसे द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी जब वह नई दिल्ली के बिरला भवन में चहलकदमी कर रहे थे। गांधीजी का हत्यारा नाथूराम गोडसे कट्टरपंथी था तथा वह गांधीजी को भारत और पाकिस्तान के विभाजन एवं पाकिस्तान को ज़्यादा भुगतान करने के साथ भारत को कमज़ोर बनाने के लिए ज़िम्मेदार मानता था। जब गांधीजी को गोली मारी गई

Savleen Kaur
IX A
Mata Jai Kaur Public School

Date: / /
Page No.

Handwriting and Improvement Campaign on the Occasion of Gandhi Jayanti

One day, he invited me to his home for a meal. His wife was horrified at the idea of a Muslim boy being invited to dine in her ritually pure kitchen. She refused to serve me in her kitchen. Sivasubramania Iyer was not perturbed, nor did he get angry with his wife, but instead, served me with his own hands and sat down beside me to eat his meal. His wife watched us from behind the kitchen door. I wondered whether she had observed any difference in the way I ate rice, drank water or cleaned the floor after the meal. When I was leaving his house, Sivasubramania Iyer invited me to join him for dinner again the next weekend. Observing my hesitation, he told me not to get upset, saying, "Once you decide to change the system, such problems have to be confronted." When I visited his house the next week, Sivasubramania Iyer's wife took me inside her kitchen and served me food with her own hands.

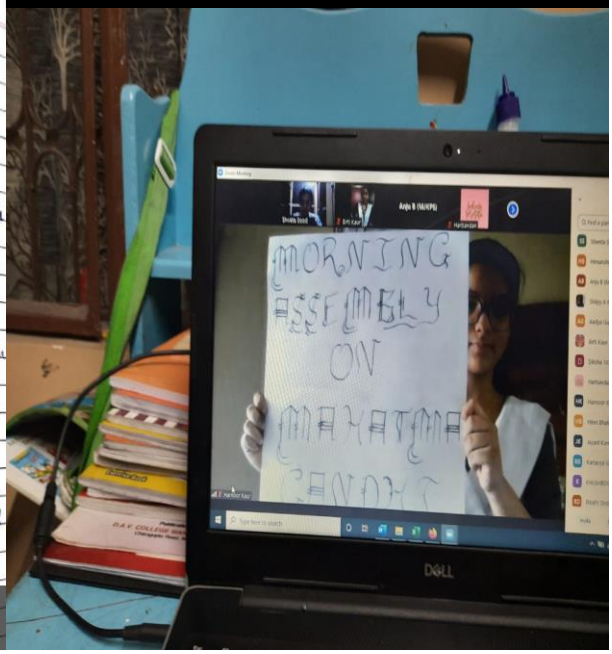

SWITCH OFF UNNECESSARY TAPS
USE BUCKET INSTEAD OF SHOWER
TRY TO SAVE WATER WHILE WATERING PLANTS
जल है तो कल है
SWITCH OF TAP AFTER BRUSHING
MAHATMA GANDHI
"Live as if you were to die tomorrow. Learn as if you were to live forever."
BE THE CHANGE YOU WISH TO SEE